by : Directorate of Education, Delhi

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

सीनियर सैकेन्डरी सार्टिफिकेट परीक्षा – 2013

भूगोल (सैद्धान्तिक)

SET - I

प्र॰ 1 अशोधित जन्मदर का अर्थ बताइए।

उ॰ अशोधित जन्मदर को प्रति हजार स्त्रियों द्वारा जन्म दिए जीवित बच्चों के रूप में वयक्त किया जाता है।

प्र॰ 2 संसार के भिन्न देशों में लिंग अनुपात का परिकलन किस प्रकार किया जाता है?

उ॰ भारत में – $\frac{\text{स्त्री जनसंख्या}}{\text{पुरूष जनसंख्या}} \times 1000$

कुछ अन्य देशों में –

$$\frac{\text{पुरूष जनसंख्या}}{\text{स्त्री जनसंख्या}} \times 1000$$

प्र॰ 3 विश्व व्यापार संगठन के किन्हीं दो कार्यों का उल्लेख करो। ½+½= 1

उ॰ विश्व व्यापार संगठन के कार्य

1) विश्व व्यापार संगठन राष्ट्रों के मध्य वैश्विक नियमों का व्यवहार करता हैं।

2) यह विश्व व्यापी व्यापार तन्त्र के लिए नियमों को निश्चित करता है।

प्र॰ 4 भारत के लिए राज्य में स्त्री साक्षरता दर सबसे कम है?

उ॰ बिहार।

प्र॰ 5 भारत में 1911–1921 की अवधि में जनसंख्या की ऋणात्मक वृद्धि के लिए कोई दो कारण बताइए। ½+½= 1

उ॰ 1. निम्न स्वास्थ्य व चिकित्सा से बाएँ।

2. महामारी व अकाल का पड़ना।

3. इस अवधि में जन्मदर व मृत्यु दर दोनों ही ऊँचे थे।

(कोई दो कारण)

प्र॰ 6 भारत में किन्हीं दो खनन नगरों के नाम बताइए। ½+½= 1

उ॰ 1) रानीगंज

2) झरिया

प्र॰ 7 खण्डीय नियोजन किसे कहते हैं?

उ॰ खण्डीय नियोजन का अर्थ है– अर्थव्यवस्था के विभिन्न सेक्टरों जैसे–कृषि,

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

सिचांई, विनिर्माण, ऊर्जा, निर्माण, परिवहन, संचार, सामाजिक अवसंरचना तथा सेवाओं के विकास के लिए कार्यक्रम बनाना तथा उन्हें लागू करना।

प्र॰ 8 भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में ग्रमीण सड़कों का घनत्व कम क्यों है? एक कारण दीजिए।

उ॰ 1) भूभाग की प्रकृति

2) आर्थिक विकास का स्तर

प्र॰ 9 'पृष्ठ प्रदेश' शब्द का अर्थ दीजिए।

उ॰ समुद्री पत्तन के पीछे स्थित वह क्षेत्र जो समुद्री पत्तन की परिवहन तथा माल के मुक्त प्रवाह द्वारा सेवा करता है।

प्र॰ 10 भारत में जल प्रदूषण के किन्हीं दो स्त्रोतों का उल्लेख कीजिए? ½+½= 1

उ॰ 1) वाहित मल निपटान

2) उद्योगों से विषाक्त वहिः स्त्राव

3) नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र

4) नगरिय वाही जल (कोई दो कारण)

प्र॰ 11 संमववाद की संकल्पना को तीन उपयुक्त उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए।

उ॰ पर्यावरण से प्राप्त संसाधनो के द्वारा संभावनाओं का जन्म होता है अर्थात् प्रकृति सुअवसर प्रदान करती है और मानव उसका प्रयोग करता है और धीरे धीरे प्रकृति का मानवीकरण हो जाता है और प्रकृति पर मानव प्रयासों की छाप पड़ने लगती है।

उदाहरण – उच्चभूमियों पर स्वास्थ्य विश्राम स्थल

– विशाल नगरीय प्रसार

– फलोघान मैदानों में चरागाहें।

– तटों पर पत्तन

प्र॰ 12 भारत में गन्दी बस्तियों में रहने वाले लोगों की किन्हीं तीन प्रमुख समस्याओं का विश्लेषण कीजिए। 3x1=3

उ॰ भारत में गन्दी बस्तियों में रहने वाले लोगों की समस्याएँ–

1) यहाँ पेयजल, प्रकाश तथा शौच सुविधाओं जैसी आधारभूत आवश्यक चीजों का अभाव पाया जाता है।

2) इसी कारण स्वास्थ्य सम्बन्धी निम्न सुविधाएँ होने के कारण अस्वास्थ्य कर पर्यावरण होता है।

3) जीर्ण शीर्ण मकान व खुली हवा का अभाव होता है।

by : Directorate of Education, Delhi

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

प्र॰ 13 'पार साइनेरियन रेलमार्ग' के आर्थिक महत्त्व को किन्हीं तीन बिन्दूओं में स्पष्ट कीजिए। 3x3=3

उ॰ पार–साइबेरियन रेलमार्ग का आर्थिक महत्त्व–

– यह रेलमार्ग एशियाई प्रदेश को पश्चिमी यूरोपीय बाजारों से जोड़ता है।

– यह रेल मार्ग यूराल पर्वतों, ओब तथा येनीसी नदियों से गुजरता है।

– यूरोपीय रूस से औद्योगिक वस्तुएँ एशियाई रूस को भेजी जाती है

– यह रेलमार्ग यात्रियों यात्रियों तथा माल परिवहन में विशेष भूमिका निभाता है।

– यह रेलमार्ग यात्रियों तथा माल परिवहन में विशेष भूमिका निभाता है।

प्र॰14 साइबर स्पेस किसे कहते है? इंटरनेट के किन्हीं दो लाभों का वर्णन कीजिए। 1+2=3

उ॰ साइबर स्पेस विद्युत द्वारा कम्प्यूटरीकृत स्पेस का संसार है। यह भेजने वाले तथा प्राप्त करने वाले के शरीरिक संचलन के बिना कंप्यूटर पर सूचनाओं के प्रेषण तथा प्राप्ति की विद्युतीय अंकीय दुनिया है।

इन्टरनेट के लाभ

– साइबर स्पेस लोगों के समकालीन आर्थिक तथा सामाजिक स्पेस को ई॰ मेल, ई॰ वाणिज्य, ई॰ शिक्षा और ई॰ प्रशासन के माध्यम से विस्तृत करेगो।

– यह आधुनिक संचार प्रणाली है और इसकी पहुँच पूरी दुनिया में है।

– इसने वैश्विक ग्राम की संकल्पना को साकार किया है।

प्र॰15 आर्थिक विकास की प्रावस्था तथा विदेशी निवेश किस प्रकार अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार हैं, उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए। 1½+1½=3

उ॰ **आर्थिक विकास की प्रावस्था** – देशों के आर्थिक विकास की विभिन्न अवस्थाओं में व्यापार की गई वस्तुओं का स्वभाव परिवर्तित हो जाता है। कृषि की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण देशों में विनिर्माण की वस्तुओं के लिए कृषि उत्पादों का विनमय किया जाता है जबकि औद्योगिक राष्ट्र मशीनरी तथा निर्मित उत्पादों का निर्यात करते हैं तथा खाद्यान्न तथा अन्य कच्चे पदार्थों का आयात करते हैं।

विदेशी निवेश की सीमा– विदेशी विकासशील देशों में व्यापार बढ़ावा दे सकता है जिनके पास खनन, प्रवेधन द्वारा तेल खनन, भारी इंजीनियरिगं, काठ–कबाड़ तथा बागवानी कृषि के विकास के लिए आवश्यक पूंजी का अभाव है।

प्र॰16 भारत में ग्रामीण से नागरीय प्रवास के किन्हीं तीन प्रतिकर्ष कारकों की व्याख्या कीजिए। 3x1=3

उ॰ – स्पास्थय सेवाओं, शिक्षा जैसी आधारभूत सुविधाओं के अभाव के कारण

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

लोग नगरों की तरफ आकर्षित होते हैं।

– गाँवो में कृषि भूमि पर जनसंख्या के अधिक दबाव के कारण।

– गरीबी, युद्ध, स्थानीय संघर्ष तथा प्रकृतिक आपदाएँ।

प्र.17 पल्ली बस्तियाँ क्या हैं? संसार के किन्हीं दो ऐसे क्षेत्रों का उल्लेख कीजिए, जहाँ इस प्रकार की बस्तिँया पाई जाती हैं।

उ. एक प्रकार की बस्ती जो भौतिक रूप से एक दूसरे से पृथक अनेक इकाइयों में बँट जाती हैं, किन्तु उन सबका नाम एक रहता है– पल्ली बस्तियाँ कहलाती हैं।

– मध्य व निम्न गंगा के मैदान

– छत्तीसगढ़

– हिमालय की निचली घाटियाँ

प्र.18 ताँबे के दो लाभ बताइए। भारत के चार मुख्य ताँबा खनन क्षेत्रों का उल्लेख कीजिए। 1+2=3

उ. – ताँबा एक मिश्रधातु योग्य आघातवर्ध्य तथा तनय धातु है।

– बिजली की मोटरें, ट्रांसफार्मर, जेनेरेटर्स आदि के बनाने तथा विद्युत उद्योग के लिए तांबा अपरिहार्य धातु है।

– आभूषणों को मजबूती प्रदान करने के लिए इसे स्वर्ण के साथ मिलाया जाता है।

– इसका बर्तन बनाने में उपयोग किया जाता है।

क्षेत्र :–

– झारखण्ड में सिंहभूम

– मध्यप्रदेश में बालाधार

– राजस्थान में झुनझुनू

– कर्नाटक का चित्रदुर्ग जिलां

प्र.19 भारत में भारी उद्योगों की स्थिति को निर्धारित करने में शक्ति तथा कच्चे माल की भूमिका स्पष्ट कीजिए। 1½ + 1½ =3

उ. **शक्ति** :– भारी उद्योग की स्थापना शक्ति के स्त्रोत के निकट की जाती है क्यांकि इन उद्योगों में अधिक शक्ति का उपयोग किया जाता है। इन्हें सस्ती व सुनिश्चित पर्याप्त ऊर्जो की आवश्यकता होती है।

कच्चामाल :– भार छास वाले कच्चे माल का उपयोग कने वाले उद्योग उन प्रदेशों में स्थापित किए जाते हैं जहाँ ये उपलब्ध होते हैं। परिवहन लागत को कम करने के लिए भारी उद्योंगों को कच्चे माल के स्त्रोतों के निकट स्थापित करना अधिक सुविधाजनक तथा लाभप्रद है।

by : Directorate of Education, Delhi

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

प्र॰20 सामाजिक व आर्थिक रूप से पिछड़े हुए लोगों के सशक्तीकरण के लिए आवश्यक किन्हीं तीन मानवीय मूल्यों की व्याख्या कीजिए। 3x1=3

उ॰ – सामाजिक व आर्थि रूप से पिछड़े हुए लोगों में सामाजिक जागरूकता का होना जरूरी है ताकि जीवन के हर क्षेत्र में उनकी निर्णायक सोच हो सके।

– समय की उपयोगिता को समझते हुए उन्हें आवश्यकताओं को कम करना होगा ताकि भविष्य के लिए उन्हें बचाया जा सके।

– स्वास्थ्य संबधी चेतना व श्रम की गरिमा को समझना आवश्यक है।

– शिक्षा पर बल देना अति आवश्यक है।

प्र॰21. निर्वाहन संग्रहण के क्षेत्रों को दिखाने वाले दिए गए मानचित्र का अध्ययन सावधानीपूर्वक कीजीए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः– 2+2+1=5

प्र॰21.1)A, B, C और D द्वारा अंकित क्षेत्रों की पहचान कीजिए और उनके नाम बताइए।

(A) उत्तरी कनाडा

(B) अमेज़न बेसिन

(C) उत्तरी यूरेशिया

(D) उष्ण कटिबंधीय अफ्रिका

प्र॰21.2)संग्रहण की किन्हीं चार विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

उ॰ <u>विशेषताएँ</u> :–

1) ये क्रियाकलाप कठोर जलवायु वाले प्रदेशों में की जाती है।

2) इसमें आदिम कालीन समाज लगा है।

3) अपनी आवश्यकता की पूर्ती के लिए ये लोग पशुओं का आखेट करते हैं तथा खाने योग्य जंगली पौधे एवं कंद–मूल आदि एकत्रित करते हैं।

4) इसके लिए निम्न स्तरीय तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता होती है।

5) इसमें भोजन अधिशेष नहीं रहता।

6) प्रति व्यक्ति उत्पादन कम होती है।

7) कोई अन्य बिन्दु

(किन्हीं चार का स्पष्टीकरण)

प्र॰21.3)विश्व स्तर पर संग्रहण महत्त्वपूर्ण क्यों नहीं हो सकता? कोई दो कारण दीजिए।

by : Directorate of Education, Delhi

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

उ॰ 1) इन क्रियाकलापों से प्राप्त उत्पादन विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते।

2) कई प्रकार की अच्छी किश्म एवं कम दाम वाले कृत्रिम उत्पादों ने संग्रह करने वाले समूहों के उत्पादों का स्थान ले लिया है।

3) कोई अन्य

(कोई एक)

प्र॰ 22 विनिर्माण की परिभाषा दीजिए। आकार के आधार पर विनिर्माण उद्योगों का तीन वर्गों में वर्गीकरण कीजिए। प्रत्येक वर्ग की एक–एक विशेषता को स्पष्ट कीजिए। **2 + 1½ + 1½=5**

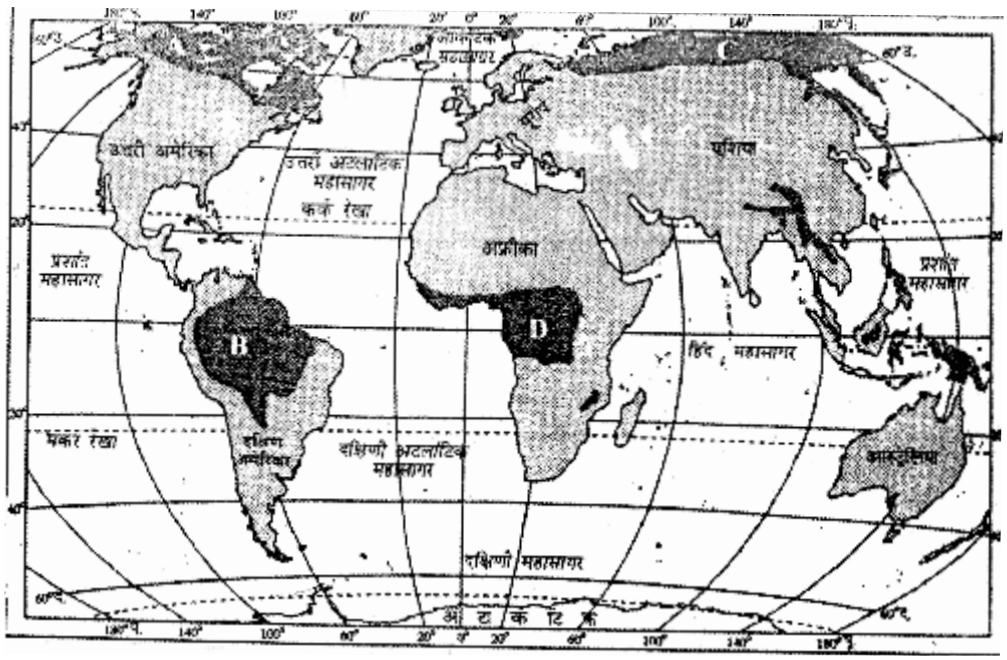

उ॰ **विनिर्माण** – एक एक प्रक्रिया है, जिसमें कच्चे माल को स्थानीय या दूरस्थ बाजार में बेचने के लिए ऊँचे मूल्य के तैयार माल में परिवर्तित कर दिया जाता है।

आकार के आधार पर वर्गीकरण

1) कुटीर उद्योग

2) छोटे पैमाने के उद्योग

3) बड़े पैमाने के उद्योग $3x½=1½$

विशेषताएं

कुटीर उद्योग – यह निर्माण की छोटी इकाई है/ इसमें शिल्पकार स्थानीय

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

कच्चेमाल का उपयोग करते हैं एवं साधारण औजारों द्वारा परिवार के सदस्य मिलकर दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं का उपयोग करते हैं।

छोटे पैमाने के उद्योग – इसमें उत्पादन घर से बाहर कारखानों में किया जाता है। इसमें स्थानीय कच्चे माल का उपयोग किया जाता है। अर्ध कुशल श्रमिक एवं शक्ति के साधनों से चलने वाले यंत्रों का उपयोग किया जाता है।

बड़े पैमाने के उद्योग – इसके लिए विशाल बाजार, विभिन्न प्रकार का कच्चा माल, शक्ति के साधन, कुशल श्रमिक, विकसित प्रौद्योगिकी, अधिक उत्पादन एवं अधिक पूँजी की आवश्यकता होती है।

प्रत्येक प्रकार के उद्योग की एक विशेषता का स्पष्टीकरण $3 \times ½ = 1½$

प्र॰ 23 नगरिय बस्तियों को आकार, कार्यों व उपलब्ध सुविधाओं के आधार पर पाँच वर्गों में वर्गीकृत कीजिए। प्रत्येक प्रकार के वर्ग की एक – एक महत्त्वपूर्ण विशेषता को स्पष्ट कीजिए। **$1½ + 2½ = 5$**

उ॰ **नगरिय बस्तियों का वर्गीकरण एवं विशेषताएं**

नगर – यह ऐसे ग्राम रहे, जहाँ खुदरा एवं थोक व्यापार तथा व्यावसायिक सेवाएं विद्यामान रहती हैं।

शहर – शहर नगरों से बड़े होते हैं इनके आर्थिक कार्य भी अधिक होते हैं। यहाँ पर प्रमुख वित्तीय संस्थान, प्रशासनिक कार्यालय, एवं यातायात के केन्द्र होते हैं।

सन्नगर – अलग–अलग नगरों व शहरों के आपस में मिल जाने एक विशालनगरीय स्वरूप।

विश्वनगरी – यह बड़ा महानगर प्रदेश होता है, जिसमें सन्ननगरों का समूह होता हैं

मिलियन सिटी – वह शहर जिसकी जनसंख्या 10 लाख या 10 लाख से अधिक हो।

प्र॰ 24 जल संसाधनों के कम होने के उत्तरदायी किन्हीं कारकों की व्याख्या कीजिए। भारत में जल प्रदूषण को नियन्त्रित करने के लिए किन्हीं दो वैधानिक उपायों की जाँच कीजिए।

उ॰ भारत में जल संसाधनों की कमी के कारणः–

1) **अत्याधिक उपयोग** – बढ़ती जनसंख्या के कारण जल ससांधनो का उपयोग लगातार बढ़ता जा रहा है। घरेलू ही नहीं औद्योगिक क्षेत्र में भी इसका लगातार उपयोग जल संसाधनों में कमी का मुख्य कारण है। कई बार उपयोग की और भी बढ़ा देता है।

2) **नगरीय क्षेत्रों का धरातल कंक्रीट युक्त होना** – बढ़ते विकास के कारण व औद्योगीकरण के कारण अब नगरीय क्षेत्रों में धरातल कहीं भी

by : Directorate of Education, Delhi

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

कच्चा नहीं है ब्लकि कूंकीट युक्त हो चुका है जिससे भूमि के नीचे जलरिसाव की मात्रा कम होती जा रही है और भौम जल संसाधनों में कमी आ रही है।

3) **वर्षा जल संग्रहण के सदंर्भ में जारूकता की कमी** – वर्षा जल संग्रहण के द्वारा जल संसाधनों का संरक्षण आसानी से किया जा सकता है। इसके लिए जरूरत है लोगों को जागरूक करने की ताकि वो वर्षा जल के महत्त्व को समझें ओर विभिन्न विधियों द्वारा उसका संरक्षण व संग्रहण कर सकें।

4) **जलवायिक दशाओं में परिवर्तन** – जलवायु की दशाओं में परिवर्तन के कारण मानसून में भी परिवर्तन आता जा रहा है जिसके कारण धरातलीय व भौम जल संसाधनों में लगातार कमी आ रही है।

5) **किसानों द्वारा कृषि कार्यों के लिए जल का अति उपयोग**– किसानों द्वारा कृषि कार्यों के लिए जल का (भौम व धरातलीय दोनों) अत्याधिक उपयोग ससांधनों में कमी ला रहा है। बढ़ती जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वर्ष में तीन बार कृषि करने से सिंचाई पर दबाव बढ़ रहा है।

<u>वैधानिक उपाय</u> :–

1) जल अधिनियम 1974 (प्रदूषण का निवारण एवं नियन्त्रण)

2) पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम 1986

3) जल उपकर अधिनियम 1977

प्र॰ 25 आर्थिक विकास का स्तर और भूभाग की प्रकृति भारत में सड़कों के घन्त्व को किस प्रकार प्रभावित करती है पाँच उपयुक्त उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए। 5x5 =5

उ॰ **सड़कों कर घनत्व**

1) यदि आर्थिक विकास उच्चस्तरीय है तो सड़कों का विकास अधिक संभव है और घनत्व सघन हो सकता है।

2) सड़क निर्माण में भारी धन राशि खर्च की जाती है।

3) यदि आर्थिक विकास निम्न है तो सड़कों के घनत्व को बढ़ाया नहीं जा सकता।

4) भूभाग की प्रकृति भी सड़कों के घनत्व को प्रभावित करती है क्योंकि –

   (i) पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों का बनाना कठिन है।

   (ii) पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण भी अधिक खर्चीला है।

5) मैदानी भागों में सड़कों का निर्माण करना आसान और कम खर्चीला है।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

6) पहाड़ी और पठारी क्षेत्रों में सड़कें बनाना कठिन ओर अधिक व्ययसाध्य है और कठिन है।

प्र.26.1)संसार के दिए मानचित्र में चार लक्षण A, B, C, D दिए गए हैं। इन लक्षणों को नीचे दी गई जानकारी की मदद से पहचानकर उनके सही नाम, उनके निकट पहचानकर उनके सही नाम, उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए:– 4x½ =2

A. एक समुद्री पत्तन

B. एक प्रमुख वायुपत्तन

C. एशिया में सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व वाला देश

D. विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि का क्षेत्र

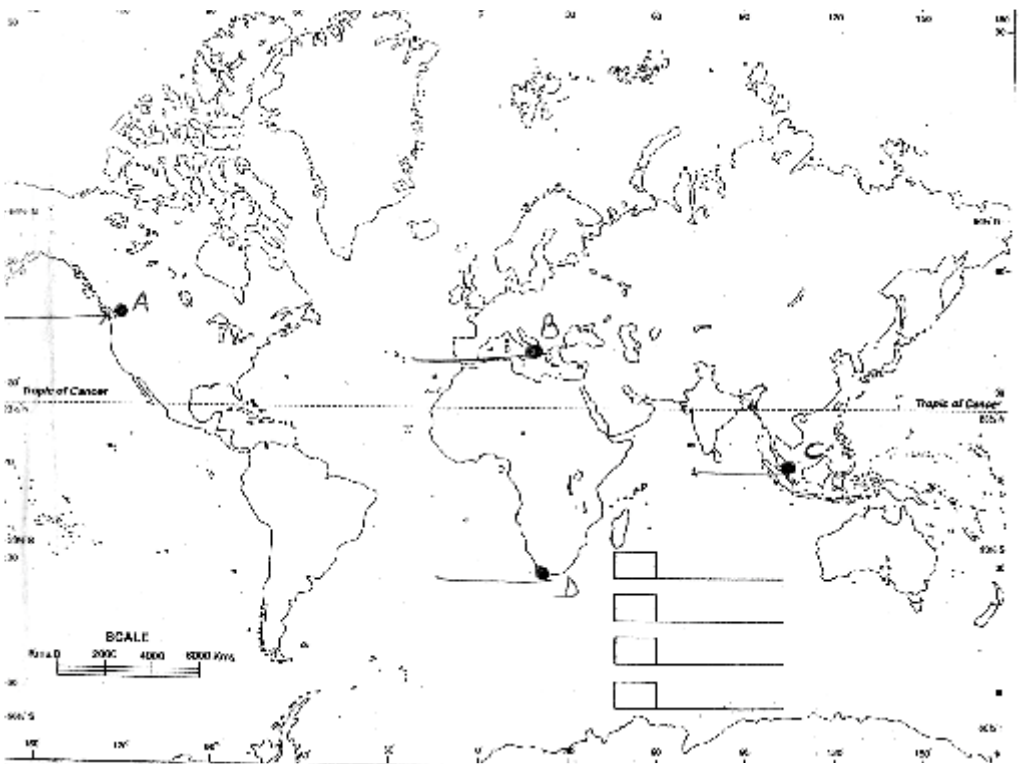

by : Directorate of Education, Delhi

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

उ॰26.1)

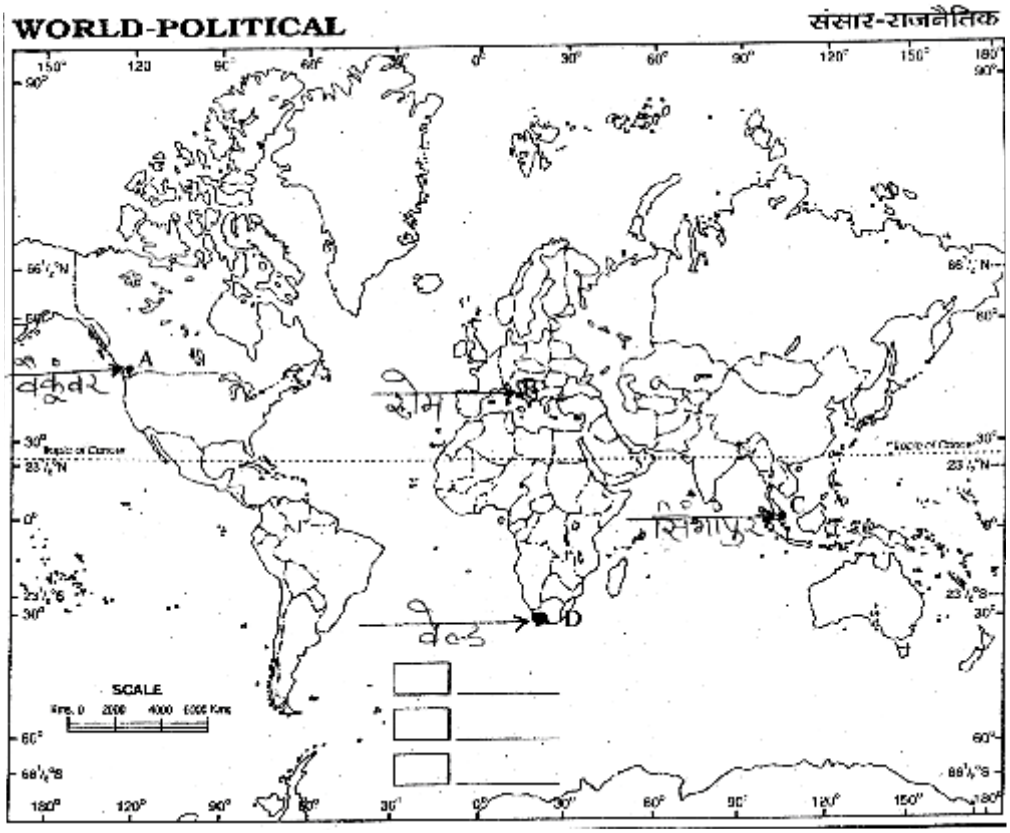

प्र॰26.2)भारत के दिए गए रेखा मानचित्र में निम्नलिखित की स्थिति उपयुक्त चिन्हों से दिखाकर उनके नाम लिखिएः– 1x3=3

i) मयूर मंज– लौह अयस्क खनन क्षेत्र

ii) एक समुद्री पत्तन जिसका विकास स्वतन्त्रता के बाद देश के पश्चिमी और उत्तर पश्चिमी भागों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया गया।

iii) राज्य जिसमें स्त्री साक्षारता दर सबसे अधिक है।

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students